लेखाशास्त्र

अध्याय-5: बैंक समाधान विवरण

Fukey Education

बैंक समाधान विवरण

जब भी आप बैंक में एंट्री होती है और अपने पास एंट्री रहती है इसको मिलान करना होता है जैसे आप ने बैंक खाते में एंट्री या कोई पेमेंट या बैंक चार्जेज होता है वो आपको पता नही होता आपके खाते में कुछ और बैंक खाते में कुछ और इसी को मिलाने के लिए बैंक समाधान विवरण बनाया जाता है

बैंक समाधान विवरण बनाने की विधियां

- बैंक समाधान विवरण हर महीने के लास्ट में तैयार किया जाता है जब हम बैंक से पुरे महीने के बैंक स्टेटमेंट को मागवा लेते है
- जब आपके पास बैंक स्टेटमेंट आ जाता है तो रोकड़ बही में आपके बैंक का टोटल और आपके पासबुक के टोटल का शेष मिलाया जाता है अगर बैंक का शेष और रोकड़ बही का शेष नही मिल रहा है तो कुछ एंट्री आपके रोकड़ बही में नही है
- हमे मिलाने के लिए रोकड़ बही और बैंक पासबुक के सभी एंट्री को मिलाया जाता है
- जब भी आप बैंक समाधान विवरण बनाते है तो रोकड़ बही के बैंक खाने का डेबिट शेष और पासबुक या बैंक स्टेटमेंट का क्रेडिट शेष जोड़ राशी वाले खाने में दिखाया जाता है
- बैंक समाधान विविरण बनाते समय सभी लेन देन का रोकड़ बही या पासबुक के शेष पर प्रभाव को दिखाया जाता है यदि रोकड़ बही का शेष दिया हुआ है तो प्रत्येक लेन देन के प्रभाव का निर्धारण किया जाता है की क्या इससे रोकड़ बही का शेष बढ रहा है या घट रहा है यदि रोकड़ बही का शेष बढ़ता है तो लेन देन की राशि को घटाया जाता है
- और यदि घटता है तो लेन देन की राशि को जोड़ा जाता है
- बैंक समाधान विवरण बनाते समय सभी लेन देन के प्रभाव को एक निश्चित तिथि को किया जाता है किसी एंट्री को घटाना है किसको जोड़ा जाना है

कुछ नोट करने वाली बाते

-यदि बैंक समाधान विवरण रोकड़ बही के डेबिट शेष से शुरू किया जाता है तो आपको पासबुक का क्रेडिट शेष ज्ञात हो जायेगा

Fukey Education

-यदि बैंक समाधान विवरण रोकड़ बही के क्रेडिट शेष से शुरू किया जाता है तो आपके पासबुक का डेबिट शेष होगा

बैंक समाधान विवरण के लाभ क्या है जाने

1 . अगर कोई गलती हो गयी या भूल हो गयी तो बैंक समाधान विवरण के द्वारा पता लगाया जाता है

2 . कर्मचारियों को पकड़ने के लिए बैंक समाधान विवरण को बनाया जाता है

3 . रोकड़ बही को पूरा करने के लिए बैंक समाधान विवरण को बनाया जाता है

4 . बैंक शेष को जानने के लिए बैंक समाधान विवरण को बनाया जाता है

5 . ये बैंक और रोकड़ बही का शेष बराबर करता है

बैंक समाधान विवरण का प्रारूप

PARTICULAR			PLUS AMOUNT	MINUS AMOUNT

Future's Key
Fukey Education

बैंक समाधान विवरण का प्रारूप

Name Of The Firm

Bank Reconciliation Statement

Date......Month....And Year.....Of Preparing

Particulars	Detail Amount	Amount
Balance as per cash book/pass book	Rs.	Rs.
Add :		
1.		
2.		
3.		
4.		
Less :		
1.		
2.		
3.		
4.		
Balance as per pass book/cash book		

बैंक समाधान विवरण की उपयोगिता

1. रोकड़ बही तथा पासबुक के टोटल के अंतर का पता लगाने में इसका उपयोग किया जाता है

2 . लेन देनो को लिखने के समय के अंतर का पता लगाने के लिए

3 . लेन देन का लेखा करते समय गलतियों का पता लगाने के लिए

4 रोकड़ बही और ओवरड्राफ्ट अकाउंट के क्रेडिट शेष का मिलान करने के लिए उपयोग किया जाता है

कौन सा ट्रांसजकसन में रोकड़ बही में ऐड और बैंक में घठाया जाता है

1. हमने चेक को इशू कर दिया पर उसे पेमेंट नही किया

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

2. ये कैश बुक मैं जो है वो ऐड किया जायेगा पर बैंक मैं घटाया जायेगा क्युकी बैंक से पेमेंट नही हुआ है
3. चेक डिपाजिट किया लेकिन बैंक मैं क्रेडिट नही हुआ है
4. इसमें कैश बुक मैं घटाया जाता है और पासबुक मैं बढ़ाया जाता है
5. चेक इशू लेकिन कैश बुक मैं दर्ज नही हुआ
6. इसमें कैश बुक मैं घटाया जाता है और पासबुक मैं बढाया जाता है
7. चेक दर्ज किया है कैश बुक मैं लेकिन डिपाजिट नही किया
8. इसमें कैश बुक मैं घटाया जाता है और पासबुक मैं बढाया जाता है
9. बैंक चार्जेज और इंटरेस्ट डेबिट किया गया बैंक से
10. कैश बुक मैं से घटाया जाता है और पासबुक मैं से ऐड होता है
11. इंटरेस्ट क्रेडिट किया गया बैंक मैं
12. इसमें कैश बुक मैं बढाया जाता है और पासबुक मैं ऐड होता है
13. बैंक मैं डायरेक्ट डिपाजिट किया कस्टमर ने
14. इसमें कैश बुक मैं प्लस किया जायेगा और पासबुक मैं घटाया जाता है

नोट - सिंपल सा तरीका है जो हमारे बैंक मैं एंट्री है और हमारे कैश बुक मैं नही है ऐसा इसलिए होता है की बैंक चार्जेज या किसी कस्टमर ने पैसा जमा कराया ये अभी नही पता होता और जो हमे पता नही होगा वो हम हपने बैंक स्टेटमेंट से पता कर लेगे और अपने कैश बुक मैं उसको लिख देगे और जो हमारे कैश बुक मैं है और बैंक मैं नही है

वो हम बैंक बुक मैं लिख कर दोनों का बैलेंस को मैच कर लेगे जिससे हमे ये पता चल जायेगा की हमारे बैंक मैं ये बैलेंस है और हमारे कैश बुक मैं ये बैलेंस है इन दोनों का मिलान करने के लिए हमे बैंक समाधान किया जाता है

Cash Book और Pass Book

Cash Book

Page No___

Dr. (Receipts) CASH BOOK Cr. (Payments)

Date	Description	VN	PR	Cash	Bank	Date	Description	VN	PR	Cash	Bank

- Bank एवं व्यवसायी के बीच में होने वाले लेनदेनों को व्यवसायी के द्वारा जिस वही में लिखा जाता है उसे Cash Book कहा जाता है।
- Bank एवं व्यवसायी के बीच होने वाले लेनदेनों को बैंक के द्वारा जिस वही में लिखा जाता है उसे कहा जाता है।
- व्यवसायी जब भी बैंक में रुपया एवं चैक जमा करता है तो वह अपने Cash Book में Debit Side लिख लेता है और जब भी रकम का निकासी करता है तो वह अपने Cash Book में Credit Side लिख लेता है।
- Cash Book में Debit Side अधिक होने पर समझा जाता है कि में रुपया जमा है परन्तु इसके विपरीत Credit Side अधिक होने पर समझा जाता है कि Bank में कुछ भी जमा नहीं है। उलटे Bank का ही व्यवसायी के ऊपर वकाया है अर्थात अधिनिकसी हो गया है।
- इसे हम ऐसे भी कह सकते है कि Cash Book का Debit Balance जमा (Deposit) को दर्शाता है तथा Credit Balance अधिनिकसी (Overdraft) को दर्शाता है।

Pass Book

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Bank Pass Book

Date	Particulars	Dr. Withdrawals Rs.	Cr. Deposits Rs.	Balance Dr / Cr Rs.	Initials

- Pass Book में Credit तरफ अधिक होने पर समझा जाता है कि व्यवसायी का Bank में रुपया जमा है और Debit Side अधिक होने पर समझा जाता है कि व्यवसायी का बैंक में कुछ भी नहीं बचा है। उलटे Bank का ही व्यवसायी के ऊपर वकाया है।
- इसे हम ऐसे भी कह सकते हैं कि Pass Book का Credit Balance जमा (Deposit) को दर्शाता है तथा Debit Balance अधिनिकसी (Overdraft) को दर्शाता है।
- Cash Book और Pass Book को मिलाकर देखा जाय तो दोनों वहियों में एक ही तरह की बात नजर आता है।
- फर्क सिर्फ इतना लगता है कि जिस लेन-देन को Cash Book में Debit तरफ लिखा जाता है उसे Pass Book में Credit तरफ लिखा जाता है और जिस लेन-देन को Cash Book में Credit Side लिखा जाता है उसे Pass Book में Debit Side लिखा जाता है।
- Cash Book का Debit Balance और Pass Book का Credit Balance दोनों जमा शेष को दर्शाता है ।
- इसी प्रकार Cash Book का Credit Balance और Pass Book का Debit Balance दोनों अधिनिकसी को दर्शाता हैं।

Cash Book एवं Bass Book के शेषों में अन्तर के मुख्य कारण

1. चैक काटा गया परन्तु भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया (Cheque issued but not presented for payment)

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

CASH BOOK (BANK COLUMNS ONLY)

Dr. | Cr.

Date	Particulars	Bank (₹)	Date	Particulars	Bank (₹)
2018			2018		
Jan.01	To Balance b/d	4,510	Jan.02	By S. Gidwani & Co.	1,230
Jan.03	To Cash	300	Jan.06	By Wages	3,000
Jan.10	To G. Basu & Co.	1,000	Jan.14	By Basu & Co. (Cheque dishonoured)	1,000
Jan.15	To Mohan & Co.	2,300	Jan.15	By V. Kumar & Co.	300
Jan.17	To Cash	600	Jan.18	By S. Sharda & Sons	470
Jan.20	To M. Mohan & Bros.	1,550	Jan.24	By Cash	400
Jan.24	To T.P. Bhalla & Co.	740	Jan.28	By R. Ramdas & Co.	780
Jan.31	To S. Leader & Sons	2,130	Jan.31	By B. BansaL & Bros.	340
			Jan.31	By Balance c/d	5,610
		13,130			13,130
2018 Feb.	To Balance c/d	5,610			

PASS BOOK

Date	Particulars	Withdrawals (₹)	Deposits (₹)	Dr. or Cr.	Balance (₹)
2018					
Jan.01	By Balance			Cr.	4,510
Jan.03	By Cash		300	Cr.	4,810
Jan.06	To Selves-Cash	3,000		Cr.	1,810
Jan.10	To S. Gidwani & Co.	1,230		Cr.	580
Jan.16	By Mohan & Co.		2,300	Cr.	2,880
Jan.17	By Cash		600	Cr.	3,480
Jan.20	To S. Sharda & Sons	470		Cr.	3,010
Jan.24	To Cash	400		Cr.	2,610
Jan.31	To Bank Charges	10		Cr.	2,600
Jan.31	To Life insurance Premium as per instructions	250		Cr.	2,350
Jan.31	By Interest on Government Securities		300	Cr.	2,650

2. चैक जमा किया गया परन्तु चढ़ाया नहीं गया (Cheque deposited but not credited)
3. चैक जमा किया गया परन्तु वसूली नहीं हुआ (Cheque deposited but not collected)
4. बैंक के द्वारा चैक अपमानित किया गया (Cheque Dishonoured by the bank)
5. चैक प्राप्त हुआ परन्तु भेजा नहीं गया (Cheque received but not send)
6. चैक जमा किया गया परन्तु Cash Book में Debit नहीं किया गया (Cheque deposited but not debited in cash book)
7. चैक काटा गया परन्तु Cash Book में Credit नहीं किया गया (Cheque issued but not credited in Cash Book)

Fukey Education

8. ग्राहक के द्वारा रकम सीधे जमा किया गया (Amount directly deposited by the customer)
9. बैंक ने गलती से में नाम कर दिया (Bank wrongly debited in Pass Book)
10. बैंक ने गलती से में जमा कर दिया (Bank wrongly credited in Pass Book)
11. बैंक के द्वारा ब्याज दिया गया (Interest allowed by the Bank)
12. बैंक के द्वारा ब्याज लिया गया (Interest charged by the bank)
13. बैंक के द्वारा खर्च लिया गया (Expense charged by the bank)
14. बैंक के द्वारा कमीशन लिया गया (Commission charged by the bank)

Bank Overdraft (बैंक अधिविकर्ष)

Bank Overdraft Journal entry

At The Date Of Using

ACCOUNT	DEBIT	CREDIT
Cash	$$$	
Overdraft loan		$$$

जब कोई खाताधारी अथवा ग्राहक किसी विशेष सुविधा के अंतगर्त अपने खाते में जमा धनराशि से अधिक राशि निकाल लेता है, तब उस स्थिति को अधिविकर्ष (Overdraft) कहा जाता है,

जैसे - अमर का बैंक में 1,00,000 रु. जमा था, पर उसने 1,25,000 रु. निकाल लिए तो उसके खाते में 25,000 रु. का ओवरड्राफ्ट शेष निकलेगा।

अधिविकर्ष की राशि पर बैंक एक निर्धारित दर से ब्याज वसूलता है जो बैंक की आय होती है और ग्राहक के लिए व्यय होता है।

अधिविकर्ष की दशा में रोकड़ खाते के बैंक कॉलम का शेष जमा शेष (Credit Balance) होता है और पास बुक का शेष डेबिट शेष (Debit Balance) होता है।

Overdraft की स्थिति में बैंक समाधान विवरण दो प्रकार से बनाए जा सकते हैं:

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

1. रोकड़ बही के जमा शेष को आधार मानकर।
2. रोकड़ बही के नाम शेष को आधार मानकर।

चैक का अपमान (Dishonoured Of Cheque)

किसी कारण वस बैंक के द्वारा चैक का भुगतान नहीं किया जाय तो उसे चैक का अपमान (Dishonoured Of Cheque) कहा जाता है।

इसे हम ऐसे भी कह सकते हैं कि किसी को चैक काटकर दिया जाए और उस व्यक्ति के द्वारा बैंक के पास चैक जमा करने पर बैंक के द्वारा इनकार कर दिया जाता है तो उसे चैक का अपमान कहा जाता है।

निम्नलिखित कारणों से चैक अपमानित होती है :

- खाता संख्या गलत रहने पर
- खाता में पर्याप्त राशि नहीं रहने पर
- चैक नम्बर गलत रहने पर
- हस्ताक्षर गलत रहने पर
- 6 माह के बाद चैक को पेश किये जाने पर
- Account Holder के द्वारा मना करने पर
- चैक पर अस्पष्ट लिखावट रहने पर
- चैक पर Over Writing हो जाने पर

Fukey Education

उपरोक्त में से कोई भी कारण उपस्थित रहने पर बैंक चैक का भुगतान करने से इनकार कर देता है और

इसे ही चैक का अपमान (Dishonoured Of Cheque) कहा जाता है।

बैंक में कितने तरह के अकाउंट खोले जाते हैं

1. **Fixed Deposited Account (मियादी जमा खाता) :-** जिस खाता में एक ही बार जमा और एक ही बार निकासी किया जा सकता है, उसे Fixed Deposited Account (मियादी जमा खाता) कहा जाता है।

Tenors	Existing for Public w.e.f. 28.05.2018	Revised For Public w.e.f. 30.07.2018	Existing for Senior Citizens w.e.f. 28.05.2018	Revised for Senior Citizens w.e.f. 30.07.2018
7 days to 45 days	5.75	5.75	6.25	6.25
46 days to 179 days	6.25	6.25	6.75	6.75
180 days to 210 days	6.35	6.35	6.85	6.85
211 days to less than 1 year	6.40	6.40	6.90	6.90
1 year to less than 2 year	6.65	6.70	7.15	7.20
2 years to less than 3 years	6.65	6.75	7.15	7.25
3 years to less than 5 years	6.70	6.80	7.20	7.30
5 years and up to 10 years	6.75	6.85	7.25	7.35

Fukey Education

2. **Recurring Deposited Account (आवर्ती जमा खाता) :-** जिस खाता में प्रतिदिन या प्रतिमाह एक निश्चित राशि जमा किया जा सकता है और समय पूरा होने पर निकासी एक ही बार किया जा सकता है, Recurring Deposited Account (आवर्ती जमा खाता)कहा जाता है।

Period in Months	Rate of Interest % p.a.	Maturity Value Rs. P.
12	9.50	63.1534
15	9.50	79.8910
18	9.50	97.0244
24	10.00	133.2198
27	10.00	151.7996
30	10.00	170.8439
36	11.00	213.7183
39	11.00	234.8697
42	11.00	256.6028
48	11.00	301.8784
60	11.00	400.1435
63	11.00	426.4217
66	11.00	453.4224
72	11.00	509.6719
75	11.00	538.9621
84	11.00	631.7546
96	11.00	767.8306
120	11.00	1,088.5618

3. **Saving Account (बचत खाता) :-** जिस खाता में जमा कई बार किया जा सकता है परन्तु निकासी एक निश्चित बार ही किया जा सकता है उसे Saving Account (बचत खाता) कहा जाता है।

Balance (Rupees)	Rate of Interest (% p.a.) (Progressive)
<= 1Lac	4.00%
> 1lac <= 10lac	4.50%
>10lac <=100Cr	5.00%
>100Cr <=200Cr	4.50%
>200 Cr	3.50%

4. **Current Account (चालु खाता) :-** जिस खाता में न जमा पर प्रतिबंध होता है और न ही निकासी पर प्रतिबंध होता है उसे Current Account (चालु खाता) कहा जाता है। इस खाते में चैक की सुविधा भी होती है और Overdraft की सुविधा भी होती है।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

रोकड़ बही के अनुसार शेष

- रोकड़ बही के अनुसार शेष (Balance As Per Cash Book) का अर्थ है ग्राहक द्वारा रखी गयी रोकड़ बही के बैंक खाने का शेष।
- रोकड़ बही के अनुसार नाम शेष से यहां अभिप्राय बैंक में रोकड़ से है। इसे रोकड़ बही के अनुसार अनुकूल शेष कहा जाता है
- यदि सिर्फ रोकड़ बही के अनुसार शेष दिया हो तो इसे नाम शेष ही समझना चाहिए।
- रोकड़ बही के जमा शेष को बैंक अधिविकर्ष (Overdraft) अर्थात रोकड़ बही के अनुसार प्रतिकूल शेष कहा जाता है।

पास बुक के अनुसार शेष

जब बैंक में ग्राहक के खाते में जमा धन उसके आहरण की राशि से अधिक हो तो इसे पास बुक के अनुसार शेष (Balance as per Cash Book)कहा जाता है।

इस स्थिति में पास बुक का शेष जमा शेष (Credit Balance) प्रदर्शित करता है।

यदि किसी कारणवश जमा धन से आहरणों की राशि अधिक हो जाए तो यह बैंक अधिविकर्ष समझा जायेगा और ऐसी स्थिति में पास बुक का शेष नाम शेष (Debit Balance) होगा।

NCERT SOLUTIONS

प्रश्न (पृष्ठ संख्या 201 - 206)

लघुउत्तरीय प्रश्न:

प्रश्न 1 बैंक समाधान विवरण बनाने के उद्देश्य का उल्लेख कीजिए।

उत्तर – सामान्य स्थिति में व्यापारी की रोकड़ बही के बैंक स्तम्भ (Bank Column) का शेष और पास बुक का शेष बराबर होना चाहिए। परन्तु कई बार इन दोनों का शेष बराबर नहीं होता है। दोनों शेष के बराबर ना होने का क्या कारण है, इसका पता लगाने के लिए एक निश्चित तारीख को व्यापारी द्वारा बैंक समाधान विवरण (Bank Reconciliation Statement) बनाया जाता है।

बैंक समाधान विवरण बनाने के प्रमुख उद्देश्य निम्नलिखित हैं:

- रोकड़ बही के बैंक खाने के शेष एवं पास बुक के शेषों में अन्तर होने पर उनके मिलान हेतु।
- रोकड़ बही के बैंक खाने व पास बुक की सत्यता की जाँच करने के लिए।
- रोकड़ बही व पास बुक का मिलान करके उन प्रविष्टियों को रोकड़ बही में दर्ज किया जाता है जो पास बुक में तो हो चुकी थीं परन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में उनका लेखा नहीं किया गया था।
- बैंक समाधान विवरण बनाकर रोकड़ बही में हुई अशुद्धि का पता लगाने हेतु।
- इसे बनाने से कर्मचारियों द्वारा किए गए गबन व कपट का आसानी से पता करने हेतु।
- बैंक द्वारा भूलवश पास बुक में अन्य व्यक्तियों या व्यापारी से सम्बन्धित दर्ज किए गए लेन-देनों का पता लगाने के लिए।
- बैंक द्वारा की गई अशुद्धियों व कपट का पता लगाने हेतु।

जैसे - व्यापारी ने बैंक में संग्रहण हेतु चैक भेजे हों तथा रोकड़िये ने इन चैकों का भुगतान प्राप्त कर लिया हो। इसी प्रकार व्यापारी ने खाते में राशि जमा कराई हो परन्तु बैंक ने इसे पास बुक में क्रेडिट नहीं किया हो।

प्रश्न 2 बैंक अधिविकर्ष से आप क्या समझते हैं?

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

उत्तर – बैंक अधिविकर्ष से आशय है व्यापारी द्वारा बैंक में जमा राशि से ज्यादा राशि निकाल लेना। यह बैंक का व्यापारी पर ऋण होता है। यह सामान्यतया एक निश्चित अवधि के लिए बैंक द्वारा दिया जाता है। अन्य शब्दों में व्यापारी की रोकड़ बही में बैंक खाते का Cr. शेष होने अथवा पास बुक में Dr. शेष होने पर बैंक अधिविकर्ष होता है।

प्रश्न 3 उदाहरण की सहायता से समझाइये "बैंक द्वारा गलती से नाम किया गया" से आप क्या समझते है।

उत्तर – "बैंक द्वारा गलती से नाम किया गया" का आशय है, बैंक द्वारा गलती से कोई राशि नाम कर देना अर्थात् बैंक द्वारा व्यापारी के खाते से रकम गलती से कम कर देना। इसके कारण व्यापारी की रोकड़ पुस्तक का शेष पास बुक से ज्यादा होता है। उदाहरण दूसरे व्यापारी द्वारा चैक निर्गमित किए गये जिसे गलती से बैंक ने व्यापारी के बैंक खाते में डेबिट कर दिये।

प्रश्न 4 समय अन्तराल के कारण होने वाले अन्तर के कारणों का उल्लेख कीजिए।

उत्तर – समय अन्तराल के कारण अन्तर निम्न कारणों से आते हैं:

1. चैक निर्गमित किये गये परन्तु बैंक में भुगतान हेतु प्रस्तुत नहीं किये गये हों।
2. बैंक में जमा करवाये गये चैक जिनका संग्रह नहीं किया गया।
3. बैंक द्वारा ब्याज क्रेडिट करने पर तथा इसका लेखा रोकड़ बही में नहीं किया गया।
4. बैंक शुल्क बैंक द्वारा डेबिट किया गया परन्तु रोकड़ बही में इसकी प्रविष्टि नहीं की गई।
5. बैंक में व्यापारी द्वारा सीधे ही राशि जमा करवाने पर।
6. व्यापारी के स्थायी आदेशानुसार किसी बिल का भुगतान बैंक द्वारा किया जाना।
7. बैंक में जमा करवाये बिल का अनादृत होना।

प्रश्न 5 'रोकड़ बही के लिए अनुकूल शेष' को संक्षेप में समझाइए।

उत्तर – 'रोकड़ बही के लिए अनुकूल शेष' से तात्पर्य है बैंक खाते में पर्याप्त धन जमा रहना। बैंक खाते में पर्याप्त धन जमा रहने पर रोकड़ बही में बैंक खाते का नाम (Debit) शेष होगा। यही 'रोकड़ बही के लिए अनुकूल शेष' कहलाता है।

प्रश्न 6 रोकड़ बही का सही शेष निकालने की प्रक्रिया के विभिन्न चरणों की सूची बनाइये।

Fukey Education

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

उत्तर – रोकड़ बही का सही शेष निकालने की प्रक्रिया में निम्न चरणों को अपनाया जाता है:

- विवरण के शीर्षक में इसे बनाने की तिथि को सबसे ऊपर लिखा जायेगा।
- रोकड़ बही का शेष सबसे पहले लिखा जायेगा।
- जमा करवाये गये ऐसे चैक जिनका संग्रहण विवरण की तिथि तक नहीं हुआ है तो उसे घटायेंगे।
- वे चैक जिन्हें व्यापारी द्वारा किसी व्यक्ति को निर्गमित किये हैं परन्तु अभी तक भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए हैं उन्हें जोड़ा जायेगा।
- सभी शुल्क की मदें जैसे अधिविकर्ष पर ब्याज, ग्राहक द्वारा निर्देशित प्रत्यक्ष भुगतान, अनादरित चैकों की राशि या अन्य कोई मद जिस कारण बैंक खाते को नाम किया गया है, उसे घटाया जायेगा।
- बैंक द्वारा जमा ब्याज, को जोड़ा जायेगा।
- अब विवरण में दिखाया गया शुद्ध शेष पास बुक द्वारा प्रदर्शित शेष के बराबर होना चाहिए।

निबंधात्मक प्रश्न:

प्रश्न 1 बैंक समाधान विवरण से आप क्या समझते हैं? यह क्यों बनाया जाता है?

उत्तर – बैंक समाधान विवरण से तात्पर्य (Meaning of Bank Reconciliation Statement): आधुनिक व्यापारिक युग में प्रत्येक व्यवसायी के लिए बैंक की सेवाएँ अत्यधिक महत्त्वपूर्ण हैं। प्राय: व्यापारी बैंक में चालू खाता (Current Account) रखता है। व्यापारी द्वारा बैंक सम्बन्धी लेन-देनों का लेखा रोकड़ बही के बैंक स्तम्भ (Bank Column) में किया जाता है। बैंक अपनी खाता बही में प्रत्येक ग्राहक का अलग-अलग खाता खोलता है जिसकी नकल ग्राहक को एक पुस्तक में लिखकर दे देता है। इस पुस्तक को पास बुक (Pass Book) कहते सामान्य स्थिति में व्यापारी की रोकड़ बही के बैंक स्तम्भ का शेष तथा बैंक पास बुक का शेष बराबर होना चाहिए। परन्तु कभी-कभी ये दोनों शेष नहीं मिलते हैं।

इससे यह तात्पर्य नहीं है कि केवल खाता बही में ही त्रुटि है बल्कि यह भी हो सकता है कि कुछ मदों की प्रविष्टि पास बुक में तो हो गई हो परन्तु रोकड़ बही में नहीं लिखी गई हो। इसी प्रकार कुछ

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

मदों का लेखा रोकड़ बही में कर दिया गया हो परन्तु पास बुक में उनका लेखा होने से रह गया हो। किसी निश्चित तिथि को रोकड़ बही के बैंक स्तम्भ के शेष में पाए जाने वाले अन्तर के मिलान हेतु एक विवरण बनाया जाता है जिसे बैंक समाधान विवरण कहते हैं। आर. जी. विलियम्स के अनुसार, "बैंक द्वारा ग्राहक के लिए प्रकट की गयी बाकी और ग्राहक की रोकड़ पुस्तक में बैंक की बाकी का मिलान करने के लिए जो विवरण पत्र बनाया जाता है, उसे बैंक समाधान विवरण कहा जाता हैं।

बैंक समाधान विवरण बनाने के कारण बैंक समाधान विवरण क्यों बनाया जाता है अर्थात् बैंक समाधान विवरण बनाने के कारण निम्नलिखित है:

- बैंक समाधान विवरण बनाने से रोकड़ बही के बैंक शेष तथा बैंक पास बुक के शेष में पाये जाने वाले अन्तर के कारणों का पता लगाना।
- रोकड़ बही के बैंक खाने व पास बुक की सत्यता की जाँच करने हेतु।
- रोकड़ बही व पास बुक का मिलान करके उन प्रविष्टियों को रोकड़ बही में किया जाता है जो पास बुक में तो हो चुकी थीं परन्तु सूचना के अभाव में रोकड़ बही में उनका लेखा नहीं किया गया था।
- बैंक समाधान विवरण बनाकर रोकड़ बही में हुई अशुद्धि का पता लगाना।
- इसे बनाने से कर्मचारियों द्वारा किए गए गबन व कपट का आसानी से पता लगाया जाना।
- बैंक द्वारा भूलवश पास बुक में अन्य व्यक्तियों या व्यापारी से सम्बन्धित दर्ज किए गए लेन-देनों का पता लगाया जाना।
- बैंक द्वारा की गई अशुद्धियों व कपट का पता लगाना।

प्रश्न 2 रोकड़ बही के बैंक स्तंभ के शेष व पास बुक के शेष में अन्तर के कारणों को समझाइए।

उत्तर – रोकड़ बही के बैंक शेष व पास बुक के शेष में अन्तर होने के कारण (Causes of Difference between the Balances as per Cash Book and Pass Book)

रोकड़ बही के बैंक स्तम्भ के शेष तथा पासबुक के शेष में अन्तर होने के प्रमुख दो कारण हैं:

1. लेन-देन के अभिलेखन के समय में अन्तर।
2. बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई त्रुटियाँ।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

इनका वर्णन निम्न प्रकार है:

(1) लेन-देन के अभिलेखन के समय में अन्तर-रोकड़ बही द्वारा प्रदर्शित शेष व बैंक पासबुक द्वारा प्रदर्शित शेष में अन्तर विभिन्न प्राप्तियों एवं भुगतानों के दोनों पुस्तकों में अभिलेखन के समय के अन्तर के कारण उत्पन्न होता है। इस समय के अन्तर को प्रभावित करने वाले विभिन्न कारक इस प्रकार हैं:

(i) निर्गमित किए गए चेक जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए हैं-फर्म द्वारा अपने माल के पूर्तिकारों व लेनदारों को भुगतान हेतु चेक जारी किए जाते हैं। इन चेकों को रोकड़ पुस्तिका के जमा पक्ष के बैंक स्तम्भ में तो तत्काल ही प्रविष्ट कर दिया जाता है जबकि यह आवश्यक नहीं कि चेक प्राप्त करने वाला पक्ष उस चेक को तुरन्त अपने बैंक में भुगतान प्राप्त करने हेतु जमा करवा दे। इस कारण रोकड़ बही में तो बैंक शेष कम हो जाता है जबकि बैंक के खाते में कम नहीं होता है। क्योंकि बैंक तो खाते को तभी नाम करेगा जब वास्तविक रूप से उस चेक का भुगतान हो जाएगा, और तभी बैंक शेष भी कम होगा। साधारणतः चेक जारी करने व बैंक में उसके भुगतान के लिए प्रस्तुत होने के बीच में समय अन्तराल होता है और समय का यह अन्तर दोनों शेषों में भी अन्तर का कारण हो सकता है।

(ii) संग्रह करने हेतु भेजे गए चेक जिनका संग्रहण नहीं हुआ जब फर्म को अपने किसी देनदार से भुगतान चेक स्वरूप प्राप्त होता है तो उसे बैंक में जमा कराने के लिए भेजते ही रोकड़ बही के नाम पक्ष में बैंक स्तम्भ में प्रविष्टि कर दी जाती है। इस कारण रोकड़ बही में प्रदर्शित बैंक शेष में वृद्धि हो जाती है जबकि बैंक हमारे विष्टि करता है जब वास्तविक रूप में वह धन राशि दसरे बैंक से प्राप्त हो जाती है। क्योंकि चेकों के समाशोधन में साधारणतः कुछ दिन लग जाते हैं विशेष रूप से यदि उन चेकों का सम्बन्ध किसी दूसरे शहर से हों या किसी अन्य शाखा में देय हों। इस प्रकार भुगतान के लिए जमा किए गए चेक जिनका संग्रहण नहीं हुआ है रोकड़ बही के बैंक स्तम्भ बैंक पासबुक द्वारा प्रदर्शित शेष में अन्तर का कारण बन जाता है।

(iii) बैंक द्वारा ग्राहक के खाते से नाम किए गए शुल्क-कई बार बैंक फर्म को प्रदान की गई सेवाओं के 197 लिए सीधा ग्राहक के खाते में से कुछ शुल्क नाम कर देता है। फर्म को इन शुल्कों की सूचना बैंक विवरण के माध्यम से ही मिलती है। जैसे : चेकों के संकलन के लिए लिया गया शुल्क,

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

आकस्मिक चेकों के लिए शुल्क (रोके गए या खाते में शेष कम होने की स्थिति में असंकलित चैक) आदि। परिणामस्वरूप पासबुक द्वारा प्रदर्शित शेष, रोकड़ बही के बैंक स्तम्भ में प्रदर्शित शेष से कम हो जाता है।

(iv) बैंक खाते में सीधी जमा की गई राशियाँ: कई बार देनदार (ग्राहक) फर्म के बैंक खाते में सीधे भी धनराशि जमा करवा देते हैं। लेकिन फर्म के पास इस बारे में कोई भी जानकारी तब तक नहीं आती जब तक कि या तो बैंक विवरण मँगाया जाए या पासबुक में प्रविष्टियाँ पूरी करवाई जाएँ। इस स्थिति में भुगतान प्राप्त होने पर बैंक प्रलेखों में तो फर्म का शेष बढ़ गया लेकिन सूचना के अभाव में रोकड़ बही ने इस प्राप्त राशि का अभिलेखन नहीं किया। परिणामस्वरूप बैंक पासबुक द्वारा प्रदर्शित शेष रोकड़ बही द्वारा दर्शाए गए शेष से अधिक होगा।

(v) बैंक द्वारा संगृहित ब्याज व लाभांश बैंक द्वारा ग्राहक की ओर से ब्याज एवं लाभांश की संकलित राशि को तुरन्त ग्राहक के खाते के जमा पक्ष में लिख दिया जाता है लेकिन फर्म को इसकी सूचना बैंक विवरण के माध्यम से ही प्राप्त होती है। इसलिए तब तक बैंक पासबुक व रोकड़ बही में प्रदर्शित शेषों में अन्तर होगा।

(vi) ग्राहक की ओर से बैंक द्वारा प्रत्यक्ष भुगतान: कभी-कभी ग्राहक बैंक को कुछ पूर्व निर्धारण तिथियों पर तीसरे पक्ष को प्रत्यक्ष भुगतान करने के आदेश दे देता है। जैसे - टेलीफोन के बिल, बीमे की किस्त आदि का भुगतान बैंक द्वारा ग्राहक की ओर से सीधे भी किया जा सकता है। इस स्थिति में भुगतान के साथ ही ग्राहक के बैंक खाते के नाम पक्ष में प्रविष्टि कर दी जाती है। परिणामस्वरूप बैंक पासबुक द्वारा दर्शाया गया शेष कम हो जाता है तथा रोकड़ बही द्वारा प्रदर्शित शेष अधिक होता है।

(vii) जमा कराए गए चेकों/बट्टा कराए गए विपत्रों का अनादरित होना: यदि फर्म द्वारा जमा कराया गया चेक या विनिमय विपत्र जो कि फर्म द्वारा बनाया गया था तथा बैंक से बट्टा कराया गया था, अपनी परिपक्वता की तिथि को अनादरित हो जाते हैं। तो उनकी राशि बैंक द्वारा ग्राहक के खाते के नाम पक्ष में लिख दी जाती है। जबकि सूचना उपलब्ध न होने से फर्म की रोकड़ बही में इस सम्बन्ध में कोई भी प्रविष्टि नहीं की जाती। परिणामस्वरूप बैंक पासबुक का शेष रोकड़ बही के शेष से कम होता है।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(2) बैंक अथवा व्यवसाय द्वारा की गई त्रुटियाँ/अशुद्धियाँ रोकड़ बही के बैंक शेष तथा पासबुक के बैंक शेषों में अन्तर का कारण कभी-कभी फर्म द्वारा रोकड़ बही बैंक द्वारा अभिलेखन में की गई त्रुटियाँ या अशुद्धियाँ भी होती हैं। इसके कारण रोकड़ बही के अनुसार बैंक शेष और बैंक पुस्तिका के अनुसार रोकड़ शेष में अक्सर अन्तर पाया जाता है।

(i) फर्म द्वारा लेन-देन के अभिलेखन में त्रुटि/अशुद्धि-फर्म द्वारा जारी किए गए अथवा जमा किए गए चेकों से सम्बन्धित लेन-देन के अभिलेखन में भूल अथवा त्रुटिपूर्ण अभिलेखन जैसे - चेक जमा कराने सम्बन्धी प्रविष्टि में त्रुटि या योग में गलती आदि के कारण कई बार रोकड़ बही द्वारा प्रदर्शित शेष व बैंक पासबुक द्वारा दर्शाए गए शेष में अन्तर आ जाता है।

(ii) बैंक द्वारा लेन-देनों के अभिलेखन में त्रुटि/अशुद्धि बैंक द्वारा भी जमा किए चेकों सम्बन्धी लेन-देनों के अभिलेखनों या योग सम्बन्धी त्रुटियों के कारण रोकड़ बही व बैंक पासबुक के शेषों में अन्तर उत्पन्न हो जाता है।

प्रश्न 3 संशोधित रोकड़ बही की सहायता से बैंक समाधान विवरण बनाने की प्रक्रिया समझाइये।

उत्तर – संशोधित रोकड़ बही (केवल बैंक खाना) बनाकर बैंक समाधान विवरण बनाने की प्रक्रिया निम्न प्रकार हैं:

(1) यदि कोई प्रविष्टि रोकड़ पुस्तक में गलत कर दी गई है या रोकड़ पुस्तक का शेष निकालने या योग करने में गलती हो गई है तो इसे रोकड़ पुस्तक में ही ठीक कर दिया जायेगा। वे मदें जिन्हें रोकड़ बही में लिख दिया गया है, वे बैंक समाधान विवरण में नहीं दिखाई जायेंगी।

(2) वे सभी मदें जिन्हें पास बुक में लिख दिया गया है परन्तु सूचना ना होने के कारण रोकड़ पुस्तक में नहीं लिखा गया है, उन्हें रोकड़ पुस्तक में लिख दिया जायेगा, परन्तु ऐसी सूचनाओं को बैंक समाधान विवरण में नहीं लिखा जायेगा।

(3) बैंक समाधान विवरण में केवल उन मदों को लिखा जायेगा जो रोकड़ पुस्तक में लिख दी गई हैं परन्तु पास बुक में लिखने से रह गई हैं। इस प्रकार रोकड़ पुस्तक में उपर्युक्त संशोधन करने के पश्चात् संशोधित शेष से ही बैंक समाधान विवरण बनाया जायेगा।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

आंकिक प्रश्न:

रोकड़ बही व पास बुक के अनुकूल शेष:

प्रश्न 1 निम्न की सहायता से 31 मार्च, 2017 का बैंक समाधान विवरण बनाइये।

(i) रोकड़ बही के अनुसार शेष	₹ 3,200
(ii) निर्गमित चेक जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए	₹ 1,800
(iii) चैक जमा कराये लेकिन अभी तक संग्रहित नहीं हुए हैं।	₹ 2,000
(iv) बैंक द्वारा नाम बैंक शुल्क	₹ 150

उत्तर –

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Dr. Balance as per Cash Book		3,200
Add : Cheque Issued but not presented for payment		1,800
		5,000
Less : 1. Cheque deposited but not collected	2,000	
2. Bank charges debited	150	2,150
Cr. Balance as per Pass Book		2,850

प्रश्न 2 31 मार्च, 2017 को रोकड़ बही के अनुसार बैंक शेष 3,700 ₹ था। परंतु उसी तिथि को बैंक पासबुक के अनुसार 700 ₹, 300 ₹ व 180 ₹ के चेक भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए थे। साथ ही 1,200 ₹ के जमा चेक भी संग्रहित नहीं हुए थे। उपरोक्त सूचना के आधार पर बैंक समाधान विवरण बनाइए।

उत्तर –

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Bank Reconciliation Statement as on 31st March, 2017

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Dr. Balance as per Cash Book		3,700
Add : Cheques issued but not presented for payment (700 + 300 + 180)	1,180	1,180
		4,880
Less : Cheque deposited into Bank but not credited	1,200	1,200
Cr. Balance as per Pass Book		3,680

प्रश्न 3 रोकड़ बही के अनुसार शेष 7,800 ₹ है। रोकड़ बही व पासबुक की तुलना करने पर निम्न विचलन पाए गए:

(क) चेक जो जमा किए गए परंतु संग्रहित नहीं हुए	₹3,000
(ख) निर्गमित चेक जिन्हें प्रस्तुत नहीं किया गया	₹1,500
(ग) बैंक द्वारा बीमे की किस्त का भुगतान	₹2,000
(घ) बैंक द्वारा बैंक ब्याज जमा किया गया	₹400
(ङ) बैंक शुल्क	₹4,000
(च) ग्राहक द्वारा खाते में सीधा भुगतान	₹100

उत्तर –

Bank Reconciliation Statement as on ....

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Dr. Balance as per Cash Book		7,800
Add : 1. Cheques issued but not presented for payment	1,500	
2. Bank Interest credited by the Bank	400	
3. Directly deposited into Bank by a Customer	4,000	5,900
		13,700
Less : 1. Cheque deposited but not credited	3,000	
2. Insurance Premium paid by Bank	2,000	
3. Bank Charges by the Bank	100	5,100
Cr. Balance as per Pass Book		8,600

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रश्न 4 अतुल की रोकड़ बही ने 31 दिसंबर, 2016 को 40,000₹ का शेष प्रदर्शित किया। जाँच से पता चला कि तीन चेक जो कि क्रमशः 2,000 ₹,5.000 ₹,8,000 ₹ राशि के थे का संग्रहण 2 जनवरी, 2017 तक नहीं हुआ था। 7,000 ₹ व 8,000 ₹ के दो चेक जो कि 28 दिसंबर को निर्गमित किए गए थे का भुगतान 3 जनवरी, 2017 तक नहीं हुआ था। इसके साथ ही बैंक ने अतुल के खाते को 325 ₹ ब्याज के लिए जमा व 50 ₹ के बैंक शुल्क के लिए नाम किया जिसके लिए रोकड़ बही में कोई प्रविष्टि उपलब्ध नहीं है।

उत्तर –

Bank Reconciliation Statement as on 31st Dec., 2016

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Dr. Balance as per Cash Book		40,000
Add : 1. Cheques issued but not presented for payment yet (7,000 + 8,000)	15,000	
2. Interest credited by Bank	325	15,325
		55,325
Less : 1. Cheques deposited into Bank but still not credited by Bank (2,000 + 5,000 + 8,000)	15,000	
2. Bank Charges debited by Bank	50	
		15,050
Credit Balance as per Pass Book		40,275

प्रश्न 5 31 मार्च, 2017 को नमन की रोकड़ बही व पासबुक की तुलना करने पर अंतर के निम्न कारक दृष्टिगोचर हुए। रोकड़ बही के अनुसार शेष 40,960 ₹ है।

(क) 31 मार्च, 2017 को नाम किए गए बैंक शुल्क 100 ₹ की प्रविष्टि रोकड़ बही में नहीं है।

(ख) 21 मार्च, 2017 को एक देनदार ने कम्पनी के बैंक खाते में 2,000 ₹ का सीधा भुगतान कर दिया जिसका कोई अभिलेखन रोकड बही में उपलब्ध नहीं है।

(ग) 31 मार्च, 2017 से पहले कंपनी ने 12,980 ₹ के चेक निर्गमित किए थे तथा उनका अभिलेखन भी रोकड़ बही में कर दिया गया था लेकिन 31 मार्च 2017 तक प्रस्तुत नहीं हुए।

Fukey Education

(घ) 6,900 ₹ का विपत्र जिसे बैंक से भुनाया गया था, का अभिलेखन रोकड़ बही में 800 ₹ की बट्टा शुल्क की राशि से किया गया।

(ङ) 3,520 ₹ की राशि 31 मार्च, 2017 को बैंक खाते में जमा करवाई गई लेकिन प्रविष्टि अगले दिन भी जमा पक्ष में नहीं की गई।

(च) 15 मार्च, 2017 को भानु से प्राप्त 650 ₹ के चेक के अनादरित होने की कोई प्रविष्टि रोकड़ बही में नहीं की गई।

31 मार्च, 2017 का बैंक समाधान विवरण बनाइये।

उत्तर –

Bank Reconciliation Statement as on March 31, 2017

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Dr. Balance as per Cash Book		40,960
Add : 1. Directly deposited into Bank By Customer	2,000	
2. Cheque issued but not presented yet for payment	12,980	14,980
		55,940
Less : 1. Bank Charges debited by Bank but not entered in Cash Book	100	
2. Discount charge for discounted Bill by Bank not entered in Cash Book	800	
3. Cash deposited into Bank but not entered into Pass Book	3,520	
4. Cheque dishonoured not entered in Cash Book	650	5,070
Cr. Balance as per Pass Book		50,870

प्रश्न 6 श्री हिमांशु की पासबुक 31 दिसंबर, 2017 को 7,000 ₹ का शेष दर्शा रही है। बैंक समाधान विवरण बनाइये यदि:

(क) 1,000 ₹ मूल्य के चेक एक ग्राहक द्वारा सीधे बैंक में जमा करवाए गए।

(ख) बैंक ने श्री हिमांशु को 700 ₹ का ब्याज दिया।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(ग) दिसंबर माह में 3,000 ₹ के चेक निर्गमित किए थे जिनमें से 1,000 ₹ के चेक भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।

उत्तर –

Bank Reconciliation Statement as on 31st December, 2017

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Cr. Balance as per Pass Book		7,000
Less : 1. Directly deposited by Customer into Bank	1,000	
2. Interest credited by Bank	700	
3. Cheque issued but not presented for payment yet (3000 – 1000)	2,000	3,700
Dr. Balance as per Cash Book		3,300

प्रश्न 7 रोकड़ बही के अनुसार शेष की गणना करने के लिए निम्न विवरण की सहायता से 31 दिसंबर, 2016 का बैंक समाधान विवरण बनाइये।

(क) 2,000 ₹ व 5,000 ₹ के दो चेक अक्टूबर माह में जमा करवाए गए थे लेकिन उनका संग्रहण दिसम्बर तक नहीं हुआ।

(ख) दिसम्बर माह में एक ग्राहक से प्राप्त 800 ₹ का चेक रोकड़ बही के बैंक स्तम्भ में तो उसी समय अभिलिखित कर दिया लेकिन उसे बैंक में जमा कराना भूल गए।

(ग) नवम्बर 2016 को 10,000 ₹ के चेक निर्गमित किये गए लेकिन दिसंबर 2016 तक प्रस्तुत नहीं हुए।

(घ) निवेश पर 1,000 ₹ के ब्याज का संग्रहण बैंक द्वारा सीधे किया गया तथा वह केवल पासबुक में ही प्रविष्ट किया गया।

पासबुक के अनुसार शेष 50,000 ₹।

उत्तर –

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Bank Reconciliation Statement as on 31, December 2016

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Credit Balance as per Pass Book		50,000
Add : 1. Cheques deposited into Bank but not credited in to Bank (2,000 + 5,000)	7,000	
2. Cheque received from Customer but omitted to be Banked	800	7,800
		57,800
Less : 1. Cheque issued but not presented for payment	10,000	
2. Interest on Investment collected by Bank	1,000	11,000
Debit Balance as per Cash Book		46,800

प्रश्न 8 श्री कुमार की पासबुक के अनुसार शेष 3,000 ₹ है।

(क) जमा किए गए चेक जो संग्रहित नहीं हुए रामकुमार किशोर कुमार	1,000₹ 500 ₹ 300₹
(ख) बैंक शुल्क	202₹
(ग) निर्गमित चेक जो प्रस्तुत नहीं हुए हामिद कपूर	2,000 ₹ 500 ₹

(घ) पासबुक के अनुसार ब्याज 100 ₹ जिसकी रोकड़ बही में प्रविष्टि नहीं है। बैंक समाधान विवरण बनाइये।

उत्तर –

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Bank Reconciliation Statement as on ....

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Cr. Balance as per Pass Book		3,000
Add : 1. Cheques deposited into Bank but not collected yet (1000 + 500)	1,500	
2. Bank Charges debited by Bank	300	1,800
		4,800
Less : 1. Cheques issued but not presented for payment (2000 + 500)	2,500	
2. Interest credited by Bank	100	2,600
Dr. Balance as per Cash Book		2,200

प्रश्न 9 श्री मोहित की चालू खाते की पासबुक के अनुसार 31 दिसंबर, 2015 को शेष 20,000 ₹ का है निम्न सूचना के आधार पर बैंक समाधान विवरण बनाइये:

(i) 400 ₹ का चेक बचत खाते पर आहरित किया गया था परंतु उसे चालू खाते में दर्शाया गया है।

(ii) 25 दिसंबर को मोहित ने 300 ₹ व 500 ₹ के दो चेक निर्गमित किये लेकिन केवल पहला चेक ही भुगतान के लिए प्रस्तुत किया गया।

(iii) श्री मोहित द्वारा 25 दिसंबर को 500 ₹ का चेक निर्गमित किया गया जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुआ जबकि उसकी दोहरी प्रविष्टि रोकड़ में की गई।

उत्तर –

Fukey Education

Bank Reconciliation Statement as on 31st December, 2015

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Cr. Balance as per Pass Book		20,000
Add : 1. Cheque drawn on Saving Account but wrongly shown in Current Account	400	400
		20,400
Less : 1. Cheque issued but not presented for payment yet	500	
2. Cheque issued but not presented for payment but recorded twice in Cash Book (500 + 500)	1,000	1,500
Dr. Balance as per Cash Book		18,900

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

रोकड़ बही के अनुसार प्रतिकूल शेष:

प्रश्न 10 01 जनवरी 2017 को राकेश की रोकड़ बही 8,000 ₹ का अधिविकर्ष दर्शा रही थी। उसके द्वारा 2,000 ₹ के चेक जमा किये गए थे जिनका संग्रहण 01 जनवरी 2017 तक नहीं हुआ। राकेश द्वारा 800 ₹ के चेक निर्गमित किए गए किन्तु उक्त तिथि तक प्रस्तुत नहीं हुए। उसकी पासबुक में 60 ₹ की ब्याज राशि और 100 ₹ की बैंक शुल्क राशि को नाम पक्ष में दर्शाया गया है। दोनों शेषों की तुलना करते हुए बैंक समाधान विवरण बनाइए।

उत्तर –

Bank Reconciliation Statement as on 1st January, 2017

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
(Overdraft) Credit Balance as per Cash Book		8,000
Add : 1. Cheque deposited into Bank but not collected yet	2,000	
2. Interest on overdraft charged by Bank but not entered in Cash Book	60	
3. Bank Charges debited	100	2,160
		10,160
Less : Cheque issued but not presented for payment yet	800	800
Debit Balance (Overdraft) as per Pass Book		9,360

प्रश्न 11 निम्न सूचना से बैंक समाधान विवरण बनाएँ:

(i) रोकड़ बही के अनुसार 31 दिसंबर, 2017 को अधिविकर्ष 10,000 ₹

(ii) उपरोक्त समयावधि के लिए बैंक शुल्क 100 ₹।

(iii) अधिविकर्ष पर छः माह का ब्याज 380 ₹ जो कि 31 दिसंबर, 2017 का पासबुक के नाम में दर्शाया गया।

(iv) चैक निर्गमित किये किन्तु 31 दिसम्बर, 2017 तक नहीं भुनाये गये 2,150 ₹।

(v) निवेश पर ब्याज 600 ₹ जो बैंक द्वारा संग्रहित कर खाते में जमा किया गया।

(vi) बैंक में जमा 1,100 ₹ के चेक जो कि 31 दिसंबर, 2017 से पूर्व संग्रहित नहीं हुए।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

उत्तर –

Bank Reconciliation Statement as on December 31, 2017

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Overdraft as per Cash Book		10,000
Add : 1. Bank Charges debited by Bank	100	
2. Interest on overdraft debited by bank	380	
3. Cheques paid into bank, but not yet cleared by bank	1,100	1,580
		11,580
Less : 1. Cheque issued but not presented for payment	2,150	
2. Interest on investment collected by bank & credited in Pass Book	600	2,750
Overdraft as per Pass Book		8,830

प्रश्न 12 श्री कुमार ने देखा कि 31 दिसंबर, 2017 को उनकी रोकड़ बही 90,600 ₹ का जमा शेष दर्शा रही है। जबकि पासबुक के शेष में अंतर है, पासबुक का अध्ययन इस अंतर के लिए निम्न अंतर दर्शाता है - जमा किया गया 1,000 ₹ का एक चेक (अग्रिम तिथि का) जो कि रोकड़ बही में नाम किया जा चुका है लेकिन संग्रहण के लिए प्रस्तुत नहीं किया गया। श्री मनोहर को जारी किया गया 8,000 ₹ का चेक भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुआ। 1,500 ₹ के चेक जो कि बैंक में जमा करवाए गए अभी संग्रहित नहीं हुये और 5,000 ₹ का एक चेक अनादरित हो गया।

उत्तर –

Bank Reconciliation Statement as on 31 Dec. 2017

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Credit Balance (overdraft) as per Cash Book		90,600
Add : 1. Cheque debited is Cash Book, but not presented	1,000	
2. Cheque deposited into Bank but not collected yet	1,500	
3. Cheque deposited but dishonoured	5,000	7,500
		98,100
Less : Cheque issued but not presented for payment yet	8,000	8,000
Debit Balance (Overdraft) as per Pass Book		90,100

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

प्रश्न 13 31 दिसंबर, 2017 को मित्तल ब्रदर्स की रोकड़ बही 6,920 ₹ का अधिविकर्ष दर्शा रही थी। निम्न विवरण की सहायता से बैंक समाधान विवरण बनाइये तथा पासबुक के शेष की गणना कीजिए।

1. बैंक द्वारा 200 ₹ अधिविकर्ष पर ब्याज व 50 ₹ बैंक शुल्क नाम किए गए।

2. 4,000 ₹ के निर्गमित चेक जो 31 दिसंबर, 2017 से पूर्व भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।

3. बैंक ने 600 ₹ का ब्याज एकत्रित कर पासबुक में जमा किया।

4. एक विनिमय विपत्र जो कि 700 ₹ का था, पहले बैंक से बट्टा करवाया गया था, अनादरित होने के कारण नाम पक्ष में प्रविष्ट किया गया।

5. 6,000 ₹ के चेक जो बैंक में जमा कराए गए 31 दिसंबर, 2017 से पहले संग्रहित नहीं हुए।

उत्तर –

Bank Reconciliation Statement as on 31st Dec. 2017

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Credit Balance (overdraft) as per Cash Book		6,920
Add : 1. Interest on overdraft charged by Bank	200	
2. Bank charges debited by Bank	50	
3. B/R dishonoured and debited by Bank	700	
4. Cheque deposited into Bank but not collected	6,000	6,950
		13,870
Less : 1. Cheque issued but not presented for payment	4,000	
2. Interest credited by Bank	600	4,600
Debit Balance (Overdraft) as per Pass Book		9,270

पासबुक के अनुसार प्रतिकूल शेष:

प्रश्न 14 31 मार्च, 2017 को श्री भंडारी के लिए बैंक समाधान विवरण बनाइये।

(i) 550 ₹ के चेक भुगतान की प्रविष्टि को पासबुक में दो बार अभिलिखित किया गया।

(ii) पासबुक के आहरण स्तंभ का योग 200 ₹ से कम है।

(iii) 200 ₹ का एक चेक रोकड़ बही के बैंक स्तंभ में तो प्रविष्ट कर दिया गया लेकिन उसे संग्रहण के लिए बैंक नहीं भेजा गया। (iv) 300 ₹ का एक चेक जिसे पास बुक के बैंक स्तंभ में नाम किया गया था, बैंक में भेजा ही नहीं गया।

(v) 500 ₹ के चेक के अनादरण की प्रविष्टि पासबुक में तो हो गई है लेकिन रोकड़ बही में नहीं हुई। पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष 20,000 ₹ है।

उत्तर –

Bank Reconciliation Statement as on 31st March, 2017

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Debit Balance (Overdraft) as per Pass Book		20,000
Add : 1. Payment of cheque twice recorded in Pass Book	550	
2. Withdrawal column of Pass Book undercast	200	
3. Cheque debited in Pass Book but omitted to be sent into Bank	300	1,050
		21,050
Less : 1. Cheque debited in Cash Book but omitted to be sent into Bank	200	
2. Cheque dishonoured debited in Pass Book but not recorded in Cash Book	500	700
Credit Balance (Overdraft) as per Cash Book		20,350

प्रश्न 15 श्री मुरली की पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष 20,000 ₹ है। 31 मार्च, 2017 के लिए बैंक समाधान विवरण बनाइये।

(i) पासबुक के अनुसार नाम किए गए बैंक शुल्क 500 ₹।

(ii) 2,500 ₹ के चेक जो रोकड़ बही में तो अभिलिखित हुए पर जमा के लिए बैंक में नहीं भेजे गए।

(iii) ग्राहक से सीधे प्राप्त भुगतान 4,600₹

(iv) निर्गमित चेक जो भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए 6,980 ₹

(v) बैंक द्वारा जमा ब्याज 100 ₹

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(vi) जीवन बीमा की किश्त का भुगतान बैंक द्वारा 2,500 ₹

(vii) जमा कराए गए चेक जिनका संग्रहण नहीं हुआ है 3,500 ₹

उत्तर –

Bank Reconciliation Statement as on 31st March, 2017

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Debit Balance (Overdraft) as per Pass Book		20,000
Add : 1. Directly deposited by Customer into Bank.	4,600	
2. Cheque issued but not presented for payment	6,980	
3. Interest credited by Bank	100	11,680
		31,680
Less : 1. Bank Charge debited by Bank but not entered in Cash Book	500	
2. Cheque recorded in Cash Book but not sent to Bank for collection	2,500	
3. LIC premium paid by Bank	2,500	
4. Cheque deposited into Bank but not collected by Bank	3,500	9,000
Credit Balance (overdraft) as per Cash Book		22,680

प्रश्न 16 राघव एण्ड कंपनी के एक बैंक में दो खाते हैं खाता नं. 1 व खाता नं. 2, नीचे खाता नं. 1 से संबंधित कुछ विवरण दिए गए हैं उनके आधार पर फर्म की रोकड़ बही का शेष ज्ञात करें।

(i) 31 मार्च, 2017 से पूर्व बैंक में जमा किए गए 10,000 ₹ मूल्य के चेक जिनका संग्रहण नहीं हुआ है।

(ii) खाता नं. 2 से 8,000 ₹ की धन राशि का खाता नं. 1 में हस्तांतरण जिसका अभिलेखन बैंक पास बुक में 31 मार्च, 2017 को हो गया था तथा रोकड़ बही में बाद में हुआ।

(iii) 7,429 ₹ के चेक जो कि 31 मार्च, 2017 से पूर्व निर्गमित किए गए थे भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।

(iv) बैंक द्वारा नाम किया गया 200 ₹ का बैंक शुल्क जिसकी प्रविष्टि पास बुक में तो है पर रोकड़ बही में नहीं।

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

(v) बैंक द्वारा नाम ब्याज जिसकी प्रविष्टि रोकड़ बही में नहीं है।

(vi) पास बुक के अनुसार अधिविकर्ष 18,990 ₹।

उत्तर –

Bank Reconciliation Statement as on 31 March, 2017

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Debit Balance as per Pass Book		18,990
Add : 1. Fund transfer from Account no. 2 to Account No. 1 but not recorded in Cash Book	8,000	
2. Cheque issued but not presented for payment yet	7,429	15,429
		34,419
Less : 1. Cheque deposited into Bank but not collected	10,000	
2. Bank Charge debited by Bank but not entered in to Cash Book	200	
3. Interest debited by Bank but not entered into Cash Book	580	10,780
Credit Balance as per Cash Book		23,639

प्रश्न 17 निम्न विवरण की सहायता से बैंक समाधान विवरण बनाकर रोकड़ बही की गणना कीजिए:

(i) मार्च 31, 2017 को पासबुक के अनुसार अधिविकर्ष 20,000 ₹।

(ii) बैंक अधिविकर्ष पर ब्याज 2,000 ₹ जो कि रोकड़ बही में अभिलिखित नहीं है।

(iii) 200 ₹ बीमे की किस्त का भुगतान सीधे बैंक ने किया जिसके विषय में कोई प्रविष्टि रोकड़ बही में नहीं है।

(iv) मार्च, 2017 के आखिरी सप्ताह में जारी किए गए 3,000 ₹ व 3,500 ₹ के चेक भुगतान के लिए प्रस्तुत नहीं हुए।

(v) 6,000 ₹ के चेक नवम्बर माह में बैंक में जमा किए गए थे जो कि मार्च, 2017 तक भी संग्रहण नहीं हुए थे।

(vi) बैंक द्वारा गलती से नाम की गई राशि 500 ₹।

उत्तर –

Bank Reconciliation Statement as on 31 March, 2017

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Debit Balance (Overdraft) as per Pass Book		20,000
Add : 1. Cheque issued but not presented for payment yet	6,500	6,500
		26,500
Less : 1. Interest on Bank Overdraft not entered in Cash Book	2,000	
2. Insurance Premium paid by Bank	200	
3. Cheque deposited into Bank but not collected yet	6,000	
4. Wrongly debited in Pass Book	500	8,700
Credit Balance (Overdraft) as per Cash Book		17,800

प्रश्न 18 श्री रणधीर की पास बुक 31 मार्च, 2017 को 40,950 ₹ का अधिविकर्ष दर्शा रही है। उपरोक्त तिथि को बैंक समाधान विवरण बनाइये।

(i) श्री रणधीर द्वारा 27 मार्च को निर्गमित किए गए चेकों में से 3,000 ₹ के एक चेक का भुगतान 3 अप्रैल को हुआ।

(i) बैंक ने सीधे संकलित ब्याज की राशि 3,800 ₹ से खाते को जमा किया परंतु इसकी प्रविष्टि रोकड़ बही में नहीं की।

(iii) श्री रणधीर ने अपने खाते में 31 मार्च को 10,900 ₹ नकद व 3,800 ₹ के चेक जमा करवाए लेकिन चेकों का संकलन 7 अप्रैल को हुआ।

(iv) एक 780 ₹ का चेक जिसे पहले पासबुक के जमा पक्ष में प्रविष्ट कर दिया गया और अनादरित होने के कारण उसकी प्रविष्टि नाम पक्ष में 1 अप्रैल, 2017 को की गई लेकिन रोकड़ बही में इसकी कोई भी प्रविष्टि 15 अप्रैल तक भी नहीं हुई थी।

उत्तर –

Website - www.fukeyeducation.com, Email :- fukeyeducation@gmail.com

Bank Reconciliation Statement as on March 31st, 2017

Particulars	Details Amount ₹	Total Amount ₹
Debit Balance (Overdraft) as per Pass Book		40,950
Add : 1. Cheque issued but not presented for payment yet	3,000	3,000
		43,950
Less : 1. Interest Credited by Bank but not recorded in Cash Book	3,800	
2. Cheque deposited into Bank but not collected yet	3,800	7,600
Credit Balance (Overdraft) as per Cash Book		36,350

Fukey Education